vinetur

O-I की बोर्डो स्थित Vayres बोतल फैक्टरी बंद करने की योजना, 160 नौकरियों पर खतरा

गिरोंद में वाइन संकट गहराने के बीच O-I की Vayres बोतल फैक्टरी बंद करने की योजना ; एक दशक में उत्पादन 50% घटा

गुरुवार, 19 नवंबर 2026



अमेरिकी कांच निर्माता Owens-Illinois, जिसे O-I के नाम से जाना जाता है, ने बुधवार, 18 नवंबर को कहा कि उसकी फ्रांस के गिरोंद विभाग के Vayres स्थित बोतल कारखाने में उत्पादन स्थायी रूप से रोकने की योजना है। इस इकाई में करीब 160 लोग काम करते हैं और यह विभाग की एकमात्र फैक्टरी है जहां कांच की बोतलें बनाई जाती हैं।

यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब बोर्डो वाइन क्षेत्र लंबे समय से मंदी का सामना कर रहा है, खासकर रेड वाइन में। O-I Glass ने कहा कि यूरोप में, विशेष रूप से वाइन क्षेत्र में, बाजार की कठिन परिस्थितियों से निपटना पड़ रहा है। Vayres इकाई का मुख्य बाजार वाइन ही है। कंपनी के मुताबिक, खपत में गिरावट और रेड वाइन के कम उत्पादन से मांग पर दबाव बना हुआ है। उसने यह भी कहा कि बोर्डो क्षेत्र में सालाना उत्पादन की मात्रा पिछले दशक में 50% घट गई है।

La Revue du vin de France की AFP के साथ प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित बंदी की जानकारी मंगलवार, 17 नवंबर को जिनेवा में यूरोपीय कार्य परिषद की बैठक में कर्मचारी प्रतिनिधियों को दी गई। इसके बाद बुधवार, 18 नवंबर को ल्यों के पास Vaulx-en-Velin स्थित फ्रांस में कंपनी के मुख्यालय में केंद्रीय कार्य परिषद के सामने प्रस्ताव रखा गया।

Vayres की कांच फैक्टरी 1970 में फ्रांसीसी समूह BSN ने Entre-deux-Mers क्षेत्र में बनाई थी, ताकि बोर्डो और कॉन्यैक के अंगूर-बागानों को बोतलों की आपूर्ति की जा सके। 2000 के दशक की शुरुआत में O-I ने इसे अधिग्रहित कर लिया। इसका संभावित बंद होना ऐसे उद्योग के लिए एक और झटका होगा, जो फ्रांस के सबसे चर्चित वाइन क्षेत्रों में से एक में कमजोर वाइन मांग, अंगूर के कम उत्पादन और व्यापक पुनर्गठन के दबाव से पहले ही जूझ रहा है।

इस इकाई में पहले भी कटौती हो चुकी है। 2025 में पहली भट्ठी स्थायी रूप से बंद किए जाने के बाद रोजगार संरक्षण योजना के तहत 81 पद समाप्त किए गए और 61 अन्य पदों का पुनर्गठन किया गया। मार्च में फैक्टरी की दूसरी भट्ठी भी बंद कर दी गई। 50 million euro की आधुनिकीकरण परियोजना के बाद इसे 2023 में फिर से चालू किया गया था। तब से उत्पादन दोबारा शुरू नहीं हुआ है।

इस निवेश को फ्रांस की औद्योगिक कार्बन-मुक्ति नीति के तहत सार्वजनिक वित्तीय सहायता मिली थी। ऐसे में बंदी की नई योजना राजनीतिक रूप से अधिक संवेदनशील हो गई है, क्योंकि फ्रांसीसी अधिकारी विनिर्माण क्षमता बचाने के साथ-साथ भारी उद्योग को कम उत्सर्जन की दिशा में ले जाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्थानीय अधिकारियों ने चिंता जताई। लिबूर्ने शहरी समुदाय के अध्यक्ष Philippe Buisson ने एक बयान में कहा कि यह फैसला कर्मचारियों और क्षेत्र के लिए कठोर है। उनके मुताबिक, इससे नौकरियों, परिवारों, औद्योगिक जानकारी और तकनीकी कौशल पर खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि यह फैसला इसलिए भी खास तौर पर पीड़ादायक है कि 50 million euro के निवेश के महज तीन साल बाद आया है—इस निवेश से उम्मीद जगी थी कि इकाई का भविष्य सुरक्षित है।

Buisson ने कहा कि वाइन संकट से स्थानीय अर्थव्यवस्था पहले ही गंभीर दबाव में है। इस संकट का असर Libourne के आसपास के लिबूर्ने क्षेत्र पर पड़ा है, जो ग्रेटर बोर्डो का हिस्सा है और जिसका अंगूर-बागानों की गतिविधियों से गहरा जुड़ाव है। Vayres फैक्टरी के संभावित नुकसान से ऐसी अर्थव्यवस्था पर औद्योगिक दबाव और बढ़ेगा, जो केवल वाइन उत्पादन पर ही नहीं, बल्कि इसकी आपूर्ति, प्रसंस्करण और ढुलाई करने वाले कारोबारों पर भी निर्भर है।

यह मामला यह भी दिखाता है कि रेड वाइन की मंदी अंगूर-बागानों और वाइनरी से आगे बढ़कर पैकेजिंग कारोबार तक पहुंच रही है। पेय क्षेत्र के लिए प्रस्तावित बंदी इस बात का संकेत है कि वाइन की घटती मात्रा बोतल और अन्य सामग्री के आपूर्तिकर्ताओं को प्रभावित कर सकती है और फ्रांस की पेय आपूर्ति शृंखला में व्यापक औद्योगिक बदलाव को तेज कर सकती है। जिन क्षेत्रों में वाइन उत्पादन से कांच, परिवहन और संबंधित विनिर्माण उद्योगों को सहारा मिलता है, वहां उत्पादन में गिरावट जल्द ही रोजगार का बड़ा मुद्दा बन सकती है।

O-I ने इस कदम को अस्थायी रोक के रूप में पेश नहीं किया। कंपनी ने इसे इकाई में उत्पादन गतिविधि पूरी तरह समाप्त करने की योजना बताया है। इससे संकेत मिलता है कि फैक्टरी का भविष्य अब श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ परामर्श और फ्रांस में ऐसी बंदी पर लागू औपचारिक प्रक्रिया से जुड़ा है।